Head an Usique Che Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपक्रण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 5′06]

नई विरुली, मंगलवार, प्रक्तुबर 12, 1971/घाष्ट्रियम 20, 1893

No. 506]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 12, 1971/ASVINA 20, 189

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के इस्प में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 12th October 1971

S.O. 3852.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 4321/18A/IDRA/69, dated the 22nd October, 1969, the management of the undertaking known as the Cambodia Mills Ltd., Coimbatore, had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order mentioned above for a period of two years upto and inclusive of 21st October, 1971;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the Public interest that the management of the said undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and inclusive of the 21st October, 1973;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 21st October, 1973.

[No. F. 11021/76/71-Tex(G).]

B. D. KUMAR, Jt. Secy

विदेश व्यापार मंत्रालय

श्रादेश

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 1971

का० था० 3852.—यत: भारत सरकार के श्रीशोगिक विकास, श्रांतरिक व्यापार तथा० समवाय कार्य मंत्रालय (श्रौशोगिक विकास विभाग) के श्रादेश मं० का० ग्रा० 4321/18ए)/श्राई० डी० श्रार० ए०/69 दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1969 द्वारा कम्बोडिया मिल्स लि०, कोयम्बट्र नामक श्रौशोगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरिवणित श्रादेश में निर्दिष्ट प्राशिक्वत नियंत्रक द्वारा 21 श्रक्तूबर, 1971 तक की दो वर्ष की श्रवधि के लिए, जिसमें यह नारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृ नियंत्रक के पास उक्त उपक्रम का प्रबन्ध 21 श्रक्तूबर, 1973 तक की श्रविध के लिए, जिसमें यह तारी भी णामिल है श्रीर बना रहना चाहिए;

श्रतः, श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित श्रावेशों का प्रभाव 21 श्रक्तूबर, 1973 तक की श्रवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, श्रीर बना रहेगा।

[सं० फ० 11021/76/71-टैक्स(जी)] बी० डी० कुमार, संयक्त सचिव।